४ साङकेन

कहानी सारांश

वल्लरी अपने पिताजी के साथ अरुणाचल प्रदेश के चौखाम पहुँची। यहाँ का वातावरण शांत और हरियाली से भरा था, जो दिल्ली की भीड़भरी सड़कों और शोरगुल से बिल्कुल अलग था।

एक दिन वल्लरी के मित्र चाऊतान ने उसे अपने घर बुलाया। चाऊतान के घर जाकर उन्होंने स्वादिष्ट पकवान खाए। तभी वल्लरी ने देखा कि सड़क पर एक शोभायात्रा निकल रही है। इस शोभायात्रा में लोग नाचते-गाते हुए भगवान बुद्ध और उनके शिष्यों की मूर्तियों को नए बनाए गए मंदिर में ले जा रहे थे।

वल्लरी और उसके पिताजी भी इस शोभायात्रा में शामिल हो गए। मंदिर बहुत ही साधारण और सुंदर था, जिसमें बाँस और फूलों से सजावट की गई थी। भिक्षुओं ने मूर्तियों की पूजा की और लोगों ने आपस में पानी डालकर और आटे से खेलकर त्योहार का आनंद लिया।

वल्लरी ने महसूस किया कि यह त्यौहार साङकेन है, जो वहाँ के लोगों का नया वर्ष मनाने का तरीका है। यह त्यौहार तीन दिन तक चलता है और इसमें लोग खुशी-खुशी मिलकर नाचते-गाते हैं, पकवान खाते हैं और भिक्षुओं से आशीर्वाद लेते हैं। तीसरे दिन मूर्तियों को पुनः बौद्ध-विहार ले जाया जाता है और लोग भिक्षुओं का प्रणाम कर नए वर्ष की खुशियाँ मनाते हैं।

मुख्य संदेश:-

- त्योहारों का महत्व केवल आनंद ही नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और संस्कृति को बनाए रखना भी है।
- गाँव और शहर के जीवन में फर्क होता है, पर दोनों अपने-अपने तरीके से सुंदर हैं।
- उत्सव मनाने का तरीका अलग-अलग जगहों पर भले ही अलग हो, पर खुशियाँ और प्रेम सभी जगह समान होते हैं।

शब्दार्थ

- **मंडल कार्यालय** – सरकारी कार्यालय या जिले का मुख्य कार्यालय।
- **भीड़-भाड़ वाली सड़कें** – बहुत अधिक लोगों और वाहनों वाली सड़कें
- **हरियाली** – हरी-भरी जगह, पेड़-पौधे।
- **पालकी** – एक प्रकार की पोशाक जिसमें मूर्तियाँ या लोग बैठकर ले जाए जाते हैं।
- **कतारें** – पंक्तियाँ
- **पकवान** – विशेष व्यंजन
- **शोभायात्रा** – त्योहार या उत्सव के समय आयोजित रंग-बिरंगी यात्रा, जिसमें लोग नाचते-गाते चलते हैं।
- **बौद्ध-विहार** – बौद्ध धर्म का मंदिर या मठ।
- **भिक्षु** – बौद्ध धर्म का साधु
- **प्रतिदिन** – हर दिन
- **मंत्र** – धार्मिक अनुष्ठान में बोली जाने वाली पवित्र वचनावली।
- **जल चढ़ाना** – पूजा में मूर्तियों या देवताओं को पानी अर्पित करना।
- **सम्मिलित** – शामिल होना
- **खपच्ची** – बाँस या लकड़ी की पतली पट्टी

- **खोंसकर** – अटकाकर
- **टहनियाँ** – पेड़ों की छोटी शाखाएँ
- **सादा** – साधारण, बिना दिखावे का
- **साड़ोकेन** – वहाँ का नया साल मनाने वाला पारंपरिक त्यौहार।
- **गुलाल** – रंग-बिरंगा सूखा पाउडर जो होली पर लगाया जाता है
- **अतिथि** – मेहमान
- **आशीर्वाद** – शुभकामना या दुआ।
- **जालीदार दीवार** – लकड़ी या बाँस की बनी ऐसी दीवार जिसमें छोटे-छोटे छेद हों।
- **प्रसन्नता** – खुशी, आनंद।
- **दंडवत प्रणाम** – जमीन पर लेटकर किया जाने वाला प्रणाम
- **खेती फूले-फले** – खेती अच्छी तरह बढ़े और भरपूर उपज दे
- **हिल-मिलकर** – मिलजुलकर, आपसी मेल से
- **उत्सव** – खुशी और आनंद से मनाया जाने वाला त्यौहार।

प्रश्न - अभ्यास

बातचीत के लिए

1. **त्योहारों में घरों में कई प्रकार की मिठाइयाँ और नमकीन बनाई जाती हैं। आपको कौन-सी मिठाइयाँ और नमकीन अच्छी लगती हैं? वे किस त्योहार पर बनाई जाती हैं?**

   उत्तर: मुझे गुलाबजामुन, जलेबी, लड्डू, नमकपारे और गुजिया बहुत पसंद हैं। ये मिठाइयाँ और नमकीन हम होली, दीपावली और तीज जैसे त्योहारों पर बनाते हैं।

2. **आप कौन-कौन से त्योहार मनाते हैं? उनमें और साडकेन में कौन-कौन सी समानताएँ हैं?**

   उत्तर: होली, दीपावली, रक्षाबंधन और दशहरा जैसे त्योहार मनाता हूँ। ये सभी त्योहार बहुत आनंद और उत्साह से मनाए जाते हैं।

   साङकेन और मेरे त्योहारों में कई समानताएँ हैं —

   - **खुशी मनाना:** साङकेन में लोग नाचते-गाते हैं और एक-दूसरे पर पानी डालकर खुशियाँ मनाते हैं। उसी तरह होली में भी हम रंग और पानी डालकर मस्ती करते हैं।
   - **नया साल:** साङकेन में नया वर्ष शुरू होता है, जैसे कुछ जगहों पर होली के समय नया साल मनाया जाता है।
   - **पकवान खाना:** साङकेन में चाऊतान की माँ ने स्वादिष्ट पकवान बनाए। वैसे ही दीपावली और होली पर भी हम तरह-तरह की मिठाइयाँ और नमकीन खाते हैं।
   - **मिलजुलकर रहना:** साङकेन में लोग एक-दूसरे से मिलते हैं, शुभकामनाएँ देते हैं। उसी तरह रक्षाबंधन में बहन-भाई मिलकर राखी बाँधते हैं और प्रेम जताते हैं।

   हर त्योहार का उद्देश्य खुशियाँ बाँटना, एकता बढ़ाना और प्रेम फैलाना होता है — जैसे साङकेन में लोग करते हैं।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

3. **हमारे देश में अनेक अवसरों पर शोभायात्राएँ (जुलूस) निकाली जाती हैं। आपने कौन-कौन सी शोभायात्राएँ देखी हैं? उनके बारे में अपने अनुभव बताइए।**

   उत्तर: मैंने रामलीला की शोभायात्रा, गणेश विसर्जन यात्रा, और स्वतंत्रता दिवस पर निकली परेड देखी है। इन शोभायात्राओं में लोग ढोल-नगाड़े बजाते हैं, झांकियाँ सजाते हैं, और गाते-बजाते हुए आगे बढ़ते हैं। यह दृश्य बहुत ही सुंदर और उत्साहभरा होता है।

4. **आप नया वर्ष कब और कैसे मनाते हैं?**

   उत्तर: विभिन्न धर्मों, संस्कृतियों एवं राज्यों में नव वर्ष अलग-अलग दिन मनाया जाता है। उदाहरण के लिए-

   - बैसाखी – पंजाबी नववर्ष
   - जुड़-शीतल – मैथिल नववर्ष
   - गुड़ी पड़वा – मराठी नववर्ष
   - नवरोज़ – पारसी नववर्ष
   - 1 जनवरी – अंग्रेज़ी नववर्ष

   उस दिन हम सवेरे जल्दी उठते हैं, घर सजाते हैं, दोस्तों और परिवार को "नया साल मुबारक" कहते हैं, और मीठा बाँटते हैं। कुछ लोग नए साल पर पूजा भी करते हैं और नए लक्ष्य तय करते हैं।

पाठ से

प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर के सामने तारे का चिह्न (⋆) बनाइए—

1. साडकेन क्यों मनाया जाता है?

(क) दीपावली पर्व के कारण	
(ख) नव वर्ष प्रारंभ होने के उपलक्ष्य में	★
(ग) नए मंदिर के उद्घाटन की प्रसन्नता में	
(घ) बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर	

2. भगवान बुद्ध का मंदिर कहाँ बना हुआ था?

(क) चिकित्सालय के पास		(ग) नदी के किनारे	★
(ख) सरोवर के किनारे		(घ) समुद्र के किनारे	

3. लोग बहुत देर तक एक-दूसरे पर पानी डालते रहे क्योंकि—

(क) उन्हें गर्मी लग रही थी।		(ग) वे गंदे हो गए थे।	
(ख) वे स्नान कर रहे थे।		(घ) वे साडकेन मना रहे थे।	★

4. "यहाँ के लोगों के मुखों पर सदैव मुस्कान बनी रहती है।" इस वाक्य का क्या अर्थ है?

(क) यहाँ के लोग सदैव प्रसन्न रहते हैं।	★
(ख) यहाँ के लोग सदैव प्रसन्न रहने का अभिनय करते हैं।	
(ग) यहाँ के लोगों को खेलना-कूदना अच्छा लगता है।	
(घ) यहाँ के लोगों को नाचना-गाना अच्छा लगता है।	

www.onepointlearning.com

पाठ से

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी लेखन-पुस्तिका में लिखिए—**

(क) साङकेन का त्योहार मनाते समय वल्लरी को होली की याद क्यों आई?

उत्तर: वल्लरी को होली की याद इसलिए आई क्योंकि साङकेन के त्योहार में लोग एक-दूसरे पर बाल्टियों भर-भरकर पानी डाल रहे थे और चेहरे पर चावल का आटा लगा रहे थे, जैसे होली में लोग रंग और पानी डालते हैं।

(ख) वल्लरी को चौखाम और दिल्ली में क्या अंतर लगा?

उत्तर: ल्लरी को लगा कि दिल्ली भीड़भरी और शोरगुल वाली जगह है, जबकि चौखाम खुला, शांत और हरियाली से भरा हुआ है। वहाँ के लोग हमेशा मुस्कराते रहते हैं और वातावरण बहुत सुंदर है।

(ग) मंदिर की सजावट कैसे की गई थी?

उत्तर: मंदिर की दीवारें बाँस और बाँस की खपच्चियों से बनी थीं।

बीच-बीच में पेड़ों की हरी-भरी टहनियाँ लगाई गई थीं और उन पर रंग-बिरंगे फूल सजाए गए थे। मंदिर बहुत सादा और सुंदर था।

(घ) आपको कौन-कौन आशीर्वाद देते हैं? वे क्या आशीर्वाद देते हैं?

उत्तर: मुझे माता-पिता, दादा-दादी, शिक्षक और बड़े लोग आशीर्वाद देते हैं।

वे कहते हैं —

"तुम हमेशा खुश रहो, अच्छे अंक लाओ, और जीवन में आगे बढ़ो।"

2. नीचे पाठ की कुछ पंक्तियों के भावार्थ दिए गए हैं। उदाहरण के अनुसार पाठ की उन पंक्तियों को लिखिए जो दिए गए भावार्थ पर आधारित हैं—

भावार्थ	पाठ की पंक्तियाँ
शोभायात्रा में लोग बहुत प्रसन्न दिखाई दे रहे थे।	**शोभायात्रा में सब लोग नाचते-गाते हुए जा रहे थे। लोगों में बहुत उत्साह था।**
मंदिर सुंदर सजा था।	मंदिर की जालीदार दीवारें बाँस और बाँस की खपच्चियों से बनी हुई थीं। बीच-बीच में पेड़ों की हरी-भरी टहनियाँ लगाई गई थीं और खोंस-खोंसकर उन पर रंग-बिरंगे फूल सजा दिए गए थे।
ऐसा लगता है कि लोग होली का त्योहार मना रहे हैं।	वल्लरी ने देखा कि लोग एक-दूसरे पर बाल्टियाँ भर-भरकर पानी डाल रहे हैं और उनके चेहरों पर चावल का आटा लगा रहे हैं। वल्लरी को होली की याद आ गई।
त्योहारों में सब एक-दूसरे से मिलते-जुलते हैं।	चाऊतान ने बताया, "आज शाम को हम लोग भी अपने ताऊजी के यहाँ जाएँगे... कल मेरी बुआजी और मेरे फूफाजी भी हमारे यहाँ आएँगे।"

www.onepointlearning.com

भाषा की बात

1. **नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के समानार्थी शब्दों का प्रयोग करते हुए अपनी लेखन-पुस्तिका में वाक्यों को पुनः लिखिए—**

(क) एक दिन वल्लरी को उसके मित्र चाऊतान ने अपने घर बुलाया।

उत्तर: एक दिन वल्लरी को उसके दोस्त चाऊतान ने अपने सदन पर बुलाया।

(ख) हमारे गाँव के लोगों ने नदी के किनारे एक मंदिर बनाया है।

उत्तर: हमारे ग्राम के लोगों ने सरिता के तट पर एक मंदिर बनाया है।

(ग) बीच-बीच में पेड़ों की हरी-भरी टहनियाँ सजाई गई थीं।

उत्तर: बीच-बीच में वृक्ष की हरी-भरी शाखाएँ सजाई गई थीं।

(घ) आज हमारे यहाँ साङ्केन का त्योहार है।

उत्तर: आज हमारे यहाँ साङ्केन का पर्व है।

2. **दिए गए उदाहरण को समझकर वाक्यों को पूरा कीजिए—**

(क) जहाँ देखो हरियाली ही हरियाली और फूल ही फूल!

(ख) मैं समुद्र के किनारे गई, जहाँ देखो .... पानी!

(ग) मेरा गाँव केरल में है, जहाँ देखो नारियल के पेड़ ....!

(घ) मुंबई में जिधर देखो ....!

(ङ) .... की दुकान में जहाँ देखो ....!

उत्तर:

(क) जहाँ देखो हरियाली ही हरियाली और **फूल ही फूल**!

(ख) मैं समुद्र के किनारे गई, जहाँ देखो **पानी ही पानी**!

(ग) मेरा गाँव केरल में है; जहाँ देखो नारियल के **पेड़ ही पेड़**!

(घ) मुंबई में जिधर देखो **भीड़ ही भीड़**!

(ङ) हलवाई की दुकान में जहाँ देखो **मिठाई ही मिठाई**!

3. **रेखांकित शब्दों के वचन बदलकर वाक्य पूरा कीजिए—**

(क) शोभायात्रा में बड़ी मूर्ति की पालकी सबसे पीछे थी और छोटी मूर्तियों की पालकियाँ **आगे थीं।**

(ख) बाँस की खपच्चियाँ उधर रखी हैं, एक .... मुझे दे दीजिए।

(ग) गंगा एक पवित्र नदी है। भारत में अनेक पवित्र .... हैं।

(घ) मेरे जन्मदिन पर कई प्रकार की मिठाइयाँ थीं लेकिन मुझे रसगुल्ले की .... सबसे अच्छी लगती है।

(ङ) सारी बाल्टियाँ पानी से भर गई हैं, केवल एक .... बची है।

उत्तर:

(क) शोभायात्रा में बड़ी मूर्ति की पालकी सबसे पीछे थी और छोटी मूर्तियों की **पालकियाँ** आगे थीं।

(ख) बाँस की खपच्चियाँ उधर रखी हैं, एक **खपच्ची** मुझे दे दीजिए।

(ग) गंगा एक पवित्र नदी है। भारत में अनेक पवित्र **नदियाँ** हैं।

(घ) मेरे जन्मदिन पर कई प्रकार की मिठाइयाँ थीं लेकिन मुझे रसगुल्ले की **मिठाई** सबसे अच्छी लगती है।

(ङ) सारी बालटियाँ पानी से भर गई हैं, केवल एक **बालटी** बची है।

4. **जब किसी की बात ज्यों की त्यों लिखी जाती है तब एक चिह्न लगाया जाता है। इसे उद्धरण चिह्न कहते हैं। उदाहरण के लिए—**

चाऊनान बोला, "आज से हमारा नया वर्ष आरंभ होता है।"

पाठ में आए ऐसे चार वाक्य खोजकर लेखन-पुस्तिका में लिखिए।

उत्तर: उद्धरण चिह्न (“ ”) वाले वाक्य-

- वल्लरी ने चाऊतान से पूछा, "ये लोग कहाँ जा रहे हैं? बहुत प्रसन्न दिख रहे हैं।"
- चाऊतान ने बताया, "अभी एक-दो दिन पहले ही हमारे गाँव के लोगों ने नदी के किनारे एक मंदिर बनाया है।"
- वल्लरी ने कहा, "चाऊतान भाई, लगता है कि लोग होली का त्योहार मना रहे हैं।"
- चाऊतान बोला, "तुम्हें मालूम नहीं, आज हमारे यहाँ साड़ोकेन का त्योहार है। आज से हमारा नया वर्ष आरंभ होता है।"

5. **पाठ में से चुनकर कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं। इन्हें हिंदी वर्णमाला के क्रम में लिखिए, जैसे— कलम, खरगोश, गगन...**

करेला, समय, तट, नमकीन, जल, मटका

उत्तर: करेला, जल, तट, नमकीन, मटका, समय

पाठ से आगे

1. **आपके घर में त्योहारों के लिए कौन-कौन सी तैयारियाँ की जाती हैं?**

उत्तर: हमारे घर में त्योहारों के समय बहुत-सी तैयारियाँ की जाती हैं।

हम घर की सफाई करते हैं, दीवारों को सजाते हैं, दीये जलाते हैं, फूलों की माला लगाते हैं और स्वादिष्ट पकवान बनाते हैं।

परिवार के सभी सदस्य नए कपड़े पहनते हैं और एक-दूसरे को शुभकामनाएँ देते हैं।

2. **आपके घर पर त्योहारों के समय कौन-कौन, क्या-क्या काम करता है? सूची बनाइए।**

उत्तर:

www.onepointlearning.com

व्यक्ति	काम
पापा	→ घर सजाने और खरीदारी करने का काम करते हैं।
माँ	→ पकवान और मिठाइयाँ बनाती हैं।
दादा-दादी	→ पूजा की तैयारी करते हैं और आशीर्वाद देते हैं।
मैं	→ घर सजाने और दीपक जलाने में मदद करता/करती हूँ।
भाई/बहन	→ मेहमानों का स्वागत करते हैं और तोहफे बाँटते हैं।

3. हमारे देश में लोग अनेक प्रकार से अभिवादन करते हैं। उदाहरण के लिए, 'नमस्ते' बोलकर। आपके राज्य में क्या बोलकर अभिवादन किया जाता है? एक सूची बनाइए—

• दिल्ली	→ नमस्कार / नमस्ते

इस कार्य के लिए आप अपने मित्रों, शिक्षकों और अभिभावकों की भी सहायता ले सकते हैं।

उत्तर:

राज्य / केंद्रशासित प्रदेश	अभिवादन के लिए शब्द
• **दिल्ली**	→ नमस्कार / नमस्ते
• **गुजरात**	→ जय श्री कृष्ण / केम छो
• **महाराष्ट्र**	→ नमस्कार / जय महाराष्ट्र
• **पंजाब**	→ सत श्री अकाल
• **उत्तर प्रदेश**	→ नमस्ते / राम-राम
• **तमिलनाडु**	→ वनक्कम
• **बंगाल**	→ नमोश्कार
• **केरल**	→ नमस्कारम

www.onepointlearning.com

सोचिए और लिखिए

1. **इस पाठ में आपको सबसे अच्छा क्या लगा और क्यों?**

   उत्तर: मुझे इस पाठ में साङकेन का त्योहार सबसे अच्छा लगा क्योंकि इसमें सब लोग मिलजुलकर खुशी मनाते हैं, नाचते-गाते हैं, और एक-दूसरे पर पानी डालकर मस्ती करते हैं। इस त्योहार से हमें मिल-जुलकर रहने और खुशियाँ बाँटने की सीख मिलती है।

2. **नीचे दिए गए उदाहरण को देखकर आगे की कड़ी बनाइए—**

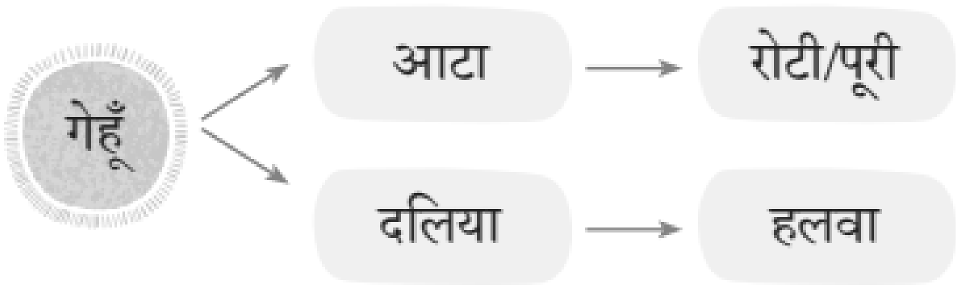

दूध ....

गन्ना ....

चना ....

चावल ....

उत्तर:

• **दूध**	दही	मक्खन	पनीर
• **गन्ना**	रस	गुड़	चीनी
• **चना**	बेसन	लड्डू	पकौड़े
• **चावल**	खीर	खिचड़ी	पुलाव

www.onepointlearning

3. **अपने मित्र को साडकेन के बारे में पूरे दिन का आँखों-देखा वर्णन अपनी लेखन-पुस्तिका में लिखकर बताइए। आपकी सहायता के लिए कुछ मुख्य संकेत बिंदु नीचे दिए गए हैं—**

   संकेत बिंदु:- स्वागत, पकवान, शोभायात्रा, मूर्तियाँ, मंदिर, एक-दूसरे पर पानी डालना, मिल-जुलकर खुशी मनाना, पालकी, बाँस की खपच्चियाँ, भगवान बुद्ध का मंदिर, बौद्ध भिक्षु, होली, आशीर्वाद, घर, फूल

   आप इन शब्दों के अतिरिक्त अन्य शब्दों की भी सहायता ले सकते हैं। ये शब्द आपकी अपनी भाषा से भी हो सकते हैं।

   उत्तर:

प्रिय मित्र,

कल मैंने चौखाम में मनाया जाने वाला **साङकेन त्योहार** देखा। सुबह जब मैं अपने पिताजी के साथ चाऊतान के घर पहुँची, तो वहाँ सबने बहुत **आदर और प्रेम से स्वागत किया**। चाऊतान की माँ ने **स्वादिष्ट पकवान** बनाए थे। थोड़ी देर बाद बाहर **शोभायात्रा** निकली। उसमें लोग **नाचते-गाते हुए भगवान बुद्ध और उनके शिष्यों की मूर्तियाँ** लेकर जा रहे थे। मूर्तियाँ **पालकियों** में रखी हुई थीं। जब हम मंदिर पहुँचे, तो देखा कि मंदिर **बाँस की खपच्चियों से बना था** और **रंग-बिरंगे फूलों से सजाया गया था**।

फिर **बौद्ध भिक्षुओं ने मंत्र पढ़कर मूर्तियों की पूजा की**। उसके बाद सब लोग **एक-दूसरे पर बाल्टियाँ भरकर पानी डालने लगे**। मुझे ऐसा लगा जैसे मैं **होली** मना रही हूँ। सब लोग **हँसते-मुस्कराते हुए मिलजुलकर** त्योहार मना रहे थे।

अंत में भिक्षुओं ने सबको **आशीर्वाद दिया** —

"खेती फूले-फले तुम्हारी, तुम्हें न हो कोई बीमारी।"

शाम को सब लोग **अपने घरों में पकवान खाते हुए** और **नए साल की खुशियाँ मनाते हुए** बहुत प्रसन्न थे।

सचमुच, साङकेन बहुत ही सुंदर और आनंदमय त्योहार है।

आपकी मित्र,

वल्लरी

मेरी कलाकारी

यहाँ कुछ प्राणियों के चित्र दिए गए हैं जिन्हें सूखे पत्तों से बनाया गया है। इन प्राणियों को पहचानिए और पत्तों से किसी भी प्राणी की आकृति बनाकर नीचे दिए गए स्थान पर चिपकाइए।

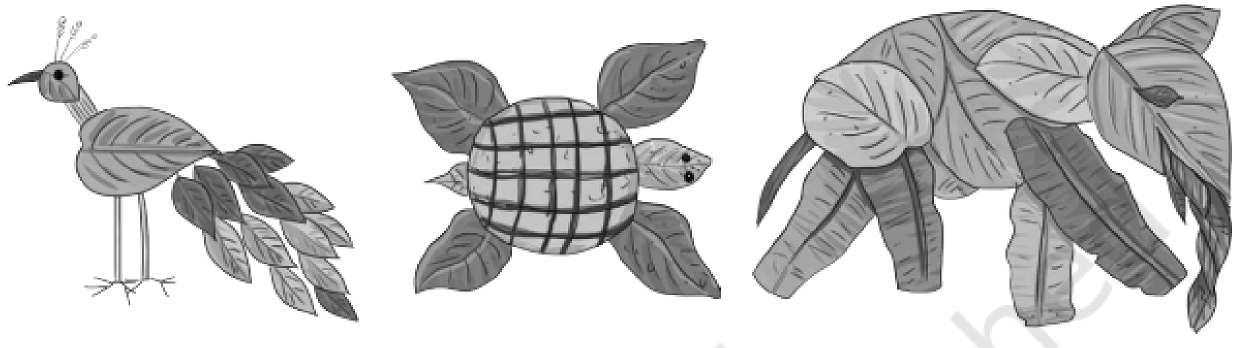

उत्तर: चित्र में दिखाए गए पत्तों से बने प्राणियों की पहचान इस प्रकार है —

- पहला प्राणी — मोर (Peacock)
- दूसरा प्राणी — कछुआ (Turtle)

- तीसरा प्राणी — हाथी (Elephant)

पुस्तकालय से

नीचे दिए गए बिंदुओं के आधार पर अरुणाचल प्रदेश के बारे में शिक्षकों और पुस्तकालय की सहायता से महत्वपूर्ण जानकारी जुटाइए।

अरुणाचल प्रदेश – जानकारी

- **राजधानी:** इटानगर
- **पड़ोसी राज्य:** असम, नागालैंड
- **भाषा:** हिंदी और अंग्रेज़ी (साथ ही स्थानीय जनजातीय भाषाएँ जैसे – न्यीशी, अपातानी, मिश्मी, मोनपा आदि)
- **मुख्य फसल:** चावल, मक्का, बाजरा, गेहूँ, दालें
- **त्योहार:** लोसार, सोलुंग, न्योकुम, सियांग, मोपिन, रीह
- **नृत्य:** पोंग लांग, चाम, पोनुंग, पाको-कुवात, वांगला नृत्य
- **परिधान:**
  - **पुरुष**: कोट या लंबा लबादा, सिर पर बैंड और पारंपरिक आभूषण
  - **महिलाएँ**: रंग-बिरंगे स्कर्ट, ब्लाउज़ और 'गाले' नामक कपड़ा (जो कंधे पर ओढ़ा जाता है)

बुझो पहेली

ज्योति को उसके जन्मदिन पर मिठाई बनाने के लिए उसकी माताजी ने दूधवाले भैया के पास 5 लीटर दूध लेने भेजा। दूधवाले भैया के पास दूध को मापने के दो ही बरतन थे— एक 4 लीटर का और दूसरा 3 लीटर का। दूधवाला कभी इस बरतन में, कभी उस बरतन में और कभी पतीले में दूध डाल रहा था। ज्योति ध्यानपूर्वक यह सब देख रही थी। उसे उत्सुकता भी थी कि आखिर वह 5 लीटर दूध कैसे दे सकेगा।

दूधवाले भैया ने उसे 5 लीटर दूध दे दिया जिसे लेकर वह घर आ गई। शाम को जन्मदिन के उत्सव पर उसने मित्रों को यह रोचक बात बताई और उनसे पूछा कि बताओ दूधवाले ने उसे 5 लीटर दूध कैसे दिया होगा?

अब आप बताइए कि ज्योति ने अपने मित्रों को उत्तर में क्या बताया होगा?

शिक्षण-संकेत: गणित की इस पहेली का उत्तर बच्चों द्वारा अलग-अलग दिए जाने की संभावना है। अतः शिक्षक धैर्यपूर्वक बच्चों द्वारा दिए जाने वाले उत्तरों को सुनें और सही उत्तर तक पहुँचने में उनकी सहायता करें।

उत्तर: एक 4 लीटर का बर्तन, एक 3 लीटर का बर्तन, लक्ष्य: 5 लीटर दूध नापना

हल:

दूधवाला पहले 3 लीटर दूध मापकर पतीले में डालेगा। फिर वह 4 लीटर वाले बरतन से 3 लीटर वाले बरतन में दूध डालेगा। इससे 4 लीटर वाले बरतन में 1 लीटर दूध बच जाएगा, जिसे वह पतीले में डाल देगा। इसके बाद वह यह प्रक्रिया दोबारा दोहराएगा— यानी फिर से 3 लीटर दूध मापकर पतीले में डालेगा और 4 लीटर वाले बरतन में बचे 1 लीटर दूध को भी जोड़ देगा। इस तरह कुल 5 लीटर दूध पतीले में इकट्ठा हो जाएगा।

www.onepointlearning.com